ठुमरी तरंगिणी

प्रसिद्ध ठुमरीकारः—
नजरपिया, सनदपिया, सुघरपिया व कदरपिया के
ठुमरियों का अपूर्व संग्रह

लेखक–
राजाभैया पूछवाले
संगीताचार्य

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

ठुमरी तरंगिणी

लेखक
राजाभैया पूछवाले 'संगीत रत्नाकर'
भूतपूर्व प्रधानाचार्य 'माधव संगीत महाविद्यालय'
लश्कर—ग्वालियर (म. भा.)

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

मेरे परमपूज्य स्वर्गीय पिता
पं. आनन्दरावजी पूछवाले को
सादर समर्पित

सर्वाधिकार सुरक्षित

नया मूल्य रु. २=५०

संवत् २००९

राग–अलैयाबिलावल–त्रिताल (विलंबित)

स्थायी.

प प | ध म ग प	– नि ध नि	सां – सां सां	सां – सां सां
शि व | ह रा ऽ हे	ऽ भ व ह	रा ऽ मु क	लो ऽ अ ति
सां (सां) धनि प	ध नि ध प	– म ग रे	सा रे सा –
सु र ऽऽ म्य	त व प दा	ऽ म्बु जा ऽ	ऽ ऽ सी ऽ
सा सा सा –	सां – नि नि	सां – गं रें	सां नि (प) –
प ति ता ऽ	आ ऽ तां ऽ	घे ऽ झ णि	प द रीं ऽ

अंतरा

प – | सांसां निनि ध नि	सां – सां –	रेंगं मंपं – मं	गं रें सां नि
गं ऽ | गाऽ ऽऽ ऽ ध	रा ऽ भ ऽ	स्माऽ ऽऽ ऽ न्कि	ता ऽ वे ऽ
सांसां रेंसां निध नि	सांसां रेंगं (सां) –	– ध प ग	म – ग –
दाऽ ऽऽ ऽऽ न्त	साऽ ऽऽ रा ऽ	ऽ प्र ण व	रो ऽ मी ऽ
ग – मम गग	ग म प म	ग रे सा –	– – सा म
शं ऽ भोऽ ऽऽ	उ मा प ति	ता ऽ री ऽ	ऽ ऽ मा ऽ
ग प – प	– प धनि सांरें	– सां नि ध	प –, प प
ध या ऽ आ	ऽ स राऽ ऽऽ	ऽ दे ऽ क	रीं ऽ, शि व

या प्रकारचीं अनेक भजनें 'संत - भजनामृत' पुस्तकांत स्वरलिपिसहित दिलीं जात आहेत

॥ श्री शंकर ॥

प्रास्ताविक हृदय निवेदन

ठुमरी यह भारतीय संगीत की एक प्रचलित शैली होकर इस में उसका अपना एक विशिष्ट सौन्दर्य तथा माधुर्य है। ध्रुपद और ख्याल की उच्चता तथा गंभीरता तो सूर्य की समान स्पष्ट है। परन्तु ठुमरी के समान हलके गीतों में भी संगीत का रस ओतप्रोत भरदेना मामूली सी बात नहीं है। श्रोतागणों की अभिरुचि प्रथक् २ होती है। जो जिस श्रेणी के स्वरको समझ सकता है उसपर ही मुग्ध हो जाता है। तथापि ठुमरी की शैली एक ऐसी शैली है जो समझदार और साधारण श्रोताओं को आनन्द देती है।

प्रसिद्ध ठुमरीकार नजरपिया के पास मैंने संवत् १९६० में ठुमरीका अभ्यास किया था। परन्तु उसके बाद मुझे ख्याल-गायन की अभिरुचि लग-जाने के कारण ठुमरी गायन की ओर मेरा दुर्लक्ष होता गया। उस समय ध्रुपद व ख्यालगायन उच्चताका माना जाता था और ठुमरीगायन को "जनाना गीत" कहकर उसका संगीतज्ञ उपहास किया करते थे। केवल वैश्याही ठुमरी कहकर नाचती थी व बैठकर अभिनय द्वारा अर्थ व्यक्त करती थी।

संगीत भी परिवर्त्तनशील होनेसे आज ठुमरीगायन विशेषतः पेशेवर गायिकाओं में पाया जाता है। कुछ उच्च संगीत कलाकार जिनको ईश्वरने कंठमाधुर्य दिया है वे श्रोताओं को ठुमरीगायन द्वारा रिझाते हुवे दृष्टीगोचर होते हैं। ठुमरीगायन इतना आकर्षक हो गया है कि महफिल में श्रोता ठुमरी के गाने की बहुत उत्कण्ठा से राह देखते हैं। और जब ठुमरी का गाना शुरू होता है तब बहुत प्रसन्न होते हैं। इस प्रकार ठुमरीने संगीत में एक महत्वका स्थान प्राप्त कर लिया है।

संगीत कलाकारों को अब जनता के आश्रय पर ही निर्भर रहना आवश्यक हो गया है। जीवनसम्बन्धी दैनिक कार्यों में संलग्न जनता के पास अब समयका अभाव होने के कारण वह ख्यालरुपी उद्यान में सैर करने के बजाय ठुमरीरुपी छोटे छोटे गुलदस्तों से ही बाग का आनन्द प्राप्त करलेती है इस कारण संगीत कलाकार को संगीत की प्रत्येक शैली से परिचित होना अत्यावश्यक हो गया है।

Dr. Ashok Da Ranade Archives

ठुमरी की गायकी ख्याल-गायकी से बिलकुल भिन्न है। वह सीखने तथा सुनने से ही अवगत होने वाली है। ठुमरीगायन में राग-रंजकत्व यह प्रधान ध्येय होनेसे शास्त्र का बंधन नहीं होता। गीत के भावनाओं को गलेकी लोच, छोटी मुरकियां व स्वरपंक्तियों द्वारा व्यक्त करके ठुमरी को सुन्दर व प्रभावपूर्ण बनाना होता है और यह कार्य गायक के प्रतिभा तथा कल्पनाशक्ति पर निर्भर होता है।

नजरपिया, सनदपिया, कदरपिया, सुघरपिया, इत्यादि प्रसिद्ध ठुमरीकारों की चालीस से अधिक ठुमरियां इस पुस्तक में अनेक रागों में स्वरलिपि सहित दी हैं। अन्तमें कुछ होली भी स्वरताल सहित दी हैं।

स्व. श्री. सखारामपंत दंडवते इन्हों ने नजरपिया की अनेक ठुमरियां मुझे सुनायी थी। मेरे पुत्र बालासाहब व शिष्यश्री. वामनराव राजुरकर इन्हों ने इस पुस्तक की तयारी में जो मनःपूर्वक सहायता दी; अतः उनको धन्यवाद देता हूं।

श्री. शंकर रामचंद्र गोलवलकर इन्हों ने इस पुस्तक का प्रकाशन तथा संशोधनकार्य सुचारु रूपसे किया इस कारण मैं उनका बहुत आभारी हूं।

संगीतप्रेमी इस पुस्तक से लाभ उठावेंगे और लेखक के परिश्रमको सफल करेंगे ऐसी आशा है।

वर्षप्रतिपदा सं. २००९
दि. २६ मार्च सन १९५२

राजाभैया पूछवाले

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

महाकवि श्री जयदेव विरचित

अष्टपदी–खमाज–त्रिताल (विलंबित)

अनिलतरलकुवलयनयनेन ।
तपति न सा किसलय शयनेन ॥ १ ॥
सखि या रमिता वनमालिना ॥ ध्रु ॥

स्थायी.

प ग			
नि सां नि ध म ग	म – प ध	पध निसां – सां	निध पध सां (सां)
स खि या ऽ र मि	ता ऽ व न	माऽ ऽऽ ऽ लि	नाऽ ऽऽ स खि
	३	×	२

प ग			
नि ध म ग	म – प ध	पध निसां ऽ नि	सां –, नि सां
या ऽ र मि	ता ऽ व न	माऽ ऽऽ ऽ लि	ना ऽ, स खि
०	३	×	२

अंतरा

			नि प
ग म प ध	नि नि सां सां	नि नि सां सां	सां (सां) नि ध
अ नि ल त	र ल कु व	ल य न य	ने ऽ न ऽ
०	३	×	२

गं रें	सां		म
नि सां मं गं	नि सां नि ध	ग म प ध	ग म ग –
त प ति न	सा ऽ कि स	ल य श य	ने ऽ न ऽ
०	३	×	२

नि म			
सा – ग म	म – प ध	पध निसां – सां	सां –, नि सां
या ऽ र मि	ता ऽ व न	माऽ ऽऽ ऽ लि	ना ऽ, स खि
०	३	×	२

इसी ही कविश्रेष्ठ की और कित्येक अष्टपदियां **'संत-भजनामृत'** पुस्तक में स्वरलिपिसहित प्रकाशित की जा रही हैं।

– गीतों की सूची –

ठुमरी तरंगिणी

राग–खमाज – पंजाबी.

स्थायी.

धमगम	पधनिसां	नि---	सां–,सांसांनिध	पधप–	ग,मग	म–,रे	गपपध
अरेहाऽ	ऽऽऽऽ	छबदिख	लाऽ,ऽऽऽऽ	ऽऽजाऽ	बां,केऽ	ऽऽ,सा	वलियांऽ
२				०			
पधनिसां	सांनिधप	मगरेग	–,सारे	पम	गरेसारे	ग–	(सा)–
ऽऽऽऽ	ध्याऽनल	गोऽऽऽ	ऽ,मोहे	तोरा	ऽऽऽऽ	ऽऽ	रेऽ
३				×			

अंतरा.

		ध					ध
ग–म	पपप,प	धनिसांनि-	प–निनि	सांनिसांसां	नि–निनि	निनिसांरेंसां	निसांनिनि
बांऽकी	चितव,न	ऽऽऽऽऽ	नैऽनार	सींऽऽले	चाऽलच	लत,ऽऽऽ	ऽऽअल
०	नि			३			
सां–सां–	निध,धनि	सांसांनिध	पधप–	गम,गम	पधनिसां	नि--सां	निसां(सां)–
बेऽलीऽ	मत,वाऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽलीऽ	अरे,हाऽ	ऽऽऽऽ	क्याऽऽरे	करूंऽऽ
×				२		प	
पपधप	मपसां–	पध–म	गरेगसा	ध---	पधनिसां	–निधस	गरेग–सारे
कितजाऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऊं	ऽऽऽऽ	अरिसखि	रीऽऽऽ	ऽनाऽआ	नेऽऽऽजिया
०				३			
पम	गरेसारे	ग–	(सा)–				
मोरा	ऽऽऽऽ	ऽऽ	रेऽ				
×							

खमाज–दीपचन्दी.

स्थायी.

नि													
सा	–	–	ग	–	–	–	म	ग	म	पध	नि	सां	नि
जा	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	क	द	र	नाऽ	ऽ	ऽ	हिं
×			२				०			३			

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

सां – –	सां – – निसां	– सां सां	नि – ध –
बो ऽ ऽ	लो ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ह म	से ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
– नि नि	नि – सां सां	सां (सां) –	ध सां नि ध
ऽ ह म	से ऽ ब हु	ते ऽ ऽ	ऽ ऽ रे ऽ
×	२	०	३
– ग म	पधनिसां – नि धप	ग म –	गम पप मग रेसा
ऽ तु म	रेऽऽऽ ऽ दु मऽ	दु म ऽ	सेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
×	२	०	३

अंतरा.

ग म –	निनि धध निसां-नि	सां – –	– निसां सां सां
झू ऽ ऽ	टीऽ ऽऽ ऽऽ ऽल	गा ऽ ऽ	ऽ ऽऽ व त
×	२	०	३
– नि नि	सां – सां –	सां (सां) –	ध सां नि ध
ऽ ना हीं	मो ऽ है ऽ	भा ऽ ऽ	ऽ ऽ व त
×	२	०	३
– नि –	– सां – सां	सां (सां) धसां	नि – ध –
ऽ हो ऽ	ऽ हा ऽ र	जा ऽ ऽऽ	त ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
– ग म	पधनिसां निसां नि ध	प ग म	गम पप मग रेसा
ऽ तु म	रेऽऽऽ ऽऽ ज म	ऽ ज म	सेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
×	२	०	३

खमाज–पंजाबी.

स्थायी.

नि नि नि निध	नि सां (सां) –	सांनिधनि धपगम –पध निसां–नि	सां – निसां सां
ए री ए मेऽ	तो से ऽ ऽ	नाऽऽऽ हींऽऽऽ ऽऽजो ऽऽऽलु	रे ऽ ऽऽ ऽ
२	०	३	×
सां नि ध प	प ध पध पध	नि धप गम पग	म – गम म
बा ऽ ल म	छे ऽ डोऽ ऽऽ	ऽ ऽऽ मऽ ऽत	जा ऽ ऽऽ वो
२	०	३	×

अंतरा.

ग म निध नि–	सां नि सां सां	नि – सां सां	निसांरेंसां धसां नि ध
ब र जोऽ रीऽ	क र मो री	बै ऽ यां म	रोऽऽऽऽऽ री ऽ
०	३	×	२
प – प प	पध पधपध नि-धप गमपग	म – गम म	
बा ऽ ल म	जीऽ याऽऽऽ ऽऽऽऽ नाऽऽज	ला ऽ ऽऽ वो	
०	३	×	

खमाज–त्रिताल.

स्थायी.

ग – म प (प)	म म गरे गसा	निसारेग रे ग म	प प प म
ए ऽ सी प न	घ ट पेऽ ऽक	ऽऽऽऽ त ह ट	ना हीं रे भ
२	०	३	×
ध ध पध निध	प ध म प	गम गम म धध	(प) म ग म
र न देऽ ऽज	ल न क र	हाऽ ताऽ पा यीऽ	रे जा वो जा
२	०	३	×
रे ग, प (प)	म म गरे गसा	निसारेग रे गम	प प प, म
वो जी, प न	घ ट पेऽ ऽक	ऽऽऽऽ त ह ट	ना हीं रे, ए
२	०	३	×

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

अंतरा.

म म प नि	– नि सां सां	नि सां – सां	रें रें सां नि
ज सु ना ती	ऽ र भ र	त नी ऽ र	क र त रा
सां रें सां –	नि ध – प	ग म ध नि	प ध नि नि
ऽ र बा ऽ	र बा ऽ र	न ज र पि	या ऽ झ ट
सां सां नि –	सां – – सां	निसां रें सां नि	ध प म ध
क त ची ऽ	ऽ ऽ ऽ र	डाऽ ऽ ल त	ग ल बा यी
(प) म ग म	रे ग प (प)	म म गरे गसा	निसारेग रे ग म
रे जा वो जा	वो जी प न	घ ट पेऽ ऽक	रऽऽऽ त ह ट
प प प ‖			
ना हीं रे ‖			

खमाज-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

नि	धप ध धनिसारें (सां)	नि धप म ग	म पध निसां नि	सां निसां सां नि
आ	ऽऽ ज मोऽऽऽ री	क छाऽ ई मु	र कऽ ऽऽ ग	ई ऽऽ मा नो
	ध प ग (म)	ग – सा सा	ग म पध निसां	नि रें सां, नि
	मा नो मो री	बा ऽत का न्हा	मो री छाऽ ऽऽ	ज ल ई, आ

अंतरा.

ग म ध नि	सां नि सां सां	निसांरेंगं मं गं मं	रें (गं) नि सां
न ज र पि	या ऽ तु म	माऽऽऽ ऽ न त	का हे ना हीं
प नि सां रें	नि सां नि ध	म म प पध	नि धप म ग
ड ग र च	ल त मो से	क र त राऽ	ऽ रऽ तु म
प म गरे ग	नि सा ग म	पध निसां नि सां	प नि सां रें
सु ने गेऽ लो	ऽ ग च लो	जाऽ ऽऽ ने दो	म ई सो भ
नि सां निसां, नि			
ई ऽ ऽऽ, आ			

खमाज—त्रिताल.

स्थायी.

सां नि सां सां–	प धनिसारें सां नि	ध प ध म	पध ग ग म
मा नो सै यांऽ	का हेऽऽऽ क र	प क र त	होऽ मो ऽ री
नि नि सां सां	धनि धनिसारें सां नि	धप ध म ग	ग सा ग म
मा नो सै यां	काऽ हेऽऽऽ क र	पऽ क र त	बि न ती क
प ध नि सां	नि सां सां रें	(गं) रेंसां रें नि	सां सांनि धप ध
र त पै यां	प र त बै	यां गहे चु रि	यां फोऽ ऽऽ री
नि नि ‖			
मा नो ‖			

Dr. Ashok Da Ranade Archives Pune

अंतरा.

नि सां	निसांरें – सां नि	ध प म –	प प ध म	ग – नि (सां) –
न हि	माऽऽ ऽ न त	ए सो धी ऽ	ट लं ग र	वा ऽ सा ऽ
सां रें नि सां	नि ध ग (म) म	प प प ध	म ग सा सा	
स न न द	कीऽ हे ऽ	मो हे चो ऽ	री ऽ न ज	
ग म प –	नि नि सां नि	सां सां सां मं	गं मं रें गुरें	
र पि या ऽ	प न घ ट	प र प नि	या भ र तऽ	
सां नि (सां) नि	ध निध प ध	नि (सां) नि ॥		
क र त ब	र जोऽ ऽ री	मा नो ॥		

खमाज–दादरा.
स्थायी.

सा – सा	ग – म	प – म	प – ध	निसां रेंसा नि	ध – म
आ ऽ ज	शा ऽ म	मो ऽ ह	लीं ऽ नो	बांऽ ऽऽ स	री ऽ ब
प (ध) ध म	ग – –	नि – नि	नि – नि	सां (सां) नि	ध प ध
जा ऽ य	के ऽ ऽ	बां ऽ स	री ऽ ब	जा ऽ य	का न्हा ऽ
नि सां नि	ध – म	मप सांनि ध	ग (म) ग		
मू ऽ र	ली ऽ सु	नाऽ ऽऽ य	के ऽ ऽ		

अंतरा.

सा सा सा	सा ग म	प प ध	म – प	(सां) – नि	नि ध म
ह र ह	र स ब	क र त	जा ऽ त	घा ऽ ग	र सि र
प ध म	ग – ग	नि – नि	नि – नि	सां (सां) नि	ध प ध
ध र त	जा ऽ त	नी ऽ र	ना ऽ र	भ र न	च ली ऽ
नि सां नि	नि ध म	प (ध) ध म	ग – –		
सु ध न	र ही श	री ऽ र	की ऽ ऽ		

खमाज–पंजाबी.
स्थायी.

ग -गम मगसारे ग-,सा-	ग – – सासा	सारेगम रेग प प-,ध
रा ऽतपि याऽऽऽ ऽऽबिन	नीं ऽ ऽ दन	आऽऽऽ ऽऽ ऽ ईऽ,ऽ
ग प मग सारेग	पप पप प(प) रे	रेग रेग,रेगपध निसां-निध प-,ध
रे ऽ ऽऽ ऽऽऽ	तड फत डफ ऽ	दिन रेऽ,ऽऽऽऽ ऽऽऽनऽ ऽऽ गु
ग प म ग	सारेग (सा) धसारेग सारेग-	
मा ऽ ई ऽ	ऽऽऽ रे ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ	

Dr. Ashok Da Ranade Archives, Pune

अंतरा.

निनि	निनि	सां(सां)	--धनि	सां	–	निसां	पनि.	निनि	सां	–	धनिधनिं
जब	सेग	येऽ	ऽऽमोऽ	री	ऽ	ऽऽ	सुध	हुन	ली	ऽ	ऽऽऽऽ
				×				२			
सां	निधपध	प	–	मध	धनि	धनिसां-	-नि	ध	प	–	गम
ऽ	ऽऽऽऽ	नी	ऽ	जिया	मेरा	ऽऽऽऽ	ऽऽ	कै	से	ऽ	घब
०				३				×			
गमध-	प,पधनि	ध,धनिसां	–,निध	पधप-	गपमग	रेग	(सा)				
रा ऽऽऽ	ऽ,ऽऽऽ	ऽ,ऽऽऽ	ऽऽ,ऽऽ	ऽऽयऽ	रेऽऽऽ	ऽऽ	ऽ				
२				०							

राग–देस–त्रिताल.

स्थायी.

–	ग	–	म	रे	ग	नि़	सा	रे	–	म	प	पध	नि (सां)	ध	प
ऽ	सां	ऽ	व	रे	ऽ	मो	री	बै	ऽ	यां	ग	होऽ	ऽ	ना	ऽ
०				३				×				२			
–	प	ध	म	मग	रेग	नि़	सा	गग	रेसारे	म	प	सांसांनिध	नि (प)	ध	प
ऽ	सां	ऽ	व	रेऽ	ऽऽ	मो	री	बैंऽ	ऽऽऽ	यां	ग	होऽऽऽ	ऽ	ऽ	ना
०				३				×				२			

अंतरा.

–	म	–	प	नि	सां	सां	–	प	नि	–	सां	(नि) सां	(सां) रें	रें	–
ऽ	मैं	ऽ	तो	ना	ऽ	री	ऽ	प	रा	ऽ	ये	घ	र	की	ऽ
०				३				×				२			
पनि	सांरें	सां	नि	धप	ध (म)	गरे		(म) रे	–	म	प	मप	धनि	(प) ध	प
मेंऽ	ऽऽ	रे	म	रोऽ	ऽ	से	ऽऽ	श्या	ऽ	म	र	होऽ	ऽऽ	ऽ	ना
०				३				×				२			

देस–त्रिताल.

स्थायी.

रे	–	म	प	सां	–	नि	सां	(सां) रें	–	सां	–	नि	ध	प	ध
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	तु	म	का	ऽ	हे	ऽ	छे	ऽ	ड	त
३				×				२				०			
(प) म	म	प	प	ध	प	नि	ध	प	ध	प	म	ग	रे	ग	सा
ढ	ग	र	च	ल	त	ब्रि	ज	ल	ल	ना	ऽ	रो	ऽ	क	त
३				×				२				०			

अंतरा.

म	म	प	प	नि	नि	सां	–	रें	गं	रें	सां	रें	नि	सां	सां
ज	ल	भ	र	न	स	खी	ऽ	जा	ऽ	व	त	स	ब	मि	ल
३				×				२				०			
रें	रें	सां	रें	(नि) सां	–	नि	ध	प	–	ध	(म)	–	गरे	ग	सा
प	य	द	धि	मा	ऽ	ख	न	ना	ऽ	हि	नं	ऽ	दऽ	सु	त
३				×				२				०			

देस–झपताल.

स्थायी.

नि	सा	(म) रे	म	ग	रे	ग	नि	सा	सा
दे	खो	री	ऽ	न	मा	ने	श्या	ऽ	म
×		२			०		३		
रे	ग	म	(ध) प	ध	(म)	म	गरे	ग	सा
दे	खो	री	ऽ	न	मा	ने	श्या	ऽ	म
×		२			०		३		
(म) रे	रे	म	–	प	नि	नि	नि	सां	सां
ढ	ग	र	ऽ	च	ल	त	मो	ऽ	रि
×		२			०		३		
निसांरें	नि	ध	प	ध	म	–	गरे	ग	सा
बैंऽऽ	ऽ	यां	ऽ	ग	हे	ऽ	ऽऽ	ऽ	री
×		२			०		३		

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

अंतरा.

म प | नि — नि | सां नि | सां सां —
चु रि | यां ऽ क | र क | ग ई ऽ

प प | नि सां सां | निसांरें रें | रें रें —
छ ति | यां ऽ ध | रऽऽ क | ग ई ऽ

रें गं | रें सां सां | रें नि | सां — सां
ए ऽ | से ऽ अ | ना ऽ | री ऽ से

निसांरें नि | ध प ध | म — | गरे ग सा
काऽऽ ऽ | म ऽ प | रो ऽ | ऽऽ ऽ री

राग— तिलक कामोद—पंजाबी.

स्थायी.

गम पनि सां | (सां) — नि धप | मप धनि धप | मग रेसा रे ग
ऽ ऽऽ ऽऽ पि | या ऽ बि नऽ | नाऽ ऽऽ हीं ऽ | आऽ ऽऽ व त

ग — — सा | ग रे म म | प — प — | प प पध पधसां
चै ऽ ऽ न | का ऽ से क | हूं ऽ मैं ऽ | दु ख केऽ ऽऽऽ

सां — नि नि | नि (नि) ध प
बै ऽ न, पि | या ऽ बि न

अंतरा.

ग रे म म | प प प प | प पध निध पम | पध निसां नि सां
या ऽ द आ | व त नि स | दि नऽ ऽऽ ऽऽ | हेऽ ऽऽ द र

प — नि नि | सां निसां सां सां | नि — सां — | निसां निसांरें नि,नि
सां ऽ व ली | सू ऽऽ र त | ती ऽ खे ऽ | नैऽ ऽऽऽ न, पि

तिलककामोद—त्रिताल.

स्थायी.

सा नि़ प़ नि़ | सा सा निसा रेग | ग — सा म | म ग सारेग गमप(प)
कै ऽ सि सु | र त ऽऽ बिस | रा ऽ ई सां | व रि याऽऽ नेऽऽऽ

प — म म | ग (सा) निसा रेग | ग — सा नि़ | रे निसारे सा (सा) नि़
कै ऽ सि सु | र त ऽऽ बिस | रा ऽ ई सां | व रीऽऽ याऽ ने

प़ — नि़ नि़
कै ऽ सि सु

अंतरा.

ग रे म म | मपध निध प | म म प प | मप ध म गरेग
ह म सं ग | जोऽऽ ऽ ऽ ग | भो ग कु ब | जाऽ ऽ सं गऽऽ

गम पनि सां सां | नि सां (सां)पध | मग रेग (सा), प़ | नि़ सा सारेग (सा)
येऽ ऽऽ दु ख | स हो ऽ नऽ | जाऽ ऽऽ ईऽ, सां | व रि याऽऽ ने

तिलककामोद--त्रिताल.

स्थायी.

प म म गरे | सा सारेग ग सा | (सा) नि़ प़ प़ | नि़ सा सा सा
मो री मो हेऽ (×) | क लऽऽ न प (२) | र त अ ब (०) | तो क र त (३)

ग ग ग गरे | सा रे म प | गम पध ग म | ग रे ग- रे
र ज ग रऽ (×) | ज स म झ (२) | लेऽ ऽऽ पि या (०) | ऽ मा ऽन् ले (३)

अंतरा.

रे रे म म | प प म प | नि धप ग म | ग रे रे प
ना जा नू ना (३) | जा नू कै सी (×) | की नि ब र (२) | जो री प क (०)

ग म ग रे | सा सारेग ग ग | नि़ सा प नि | सां रें सां नि
र के क र (३) | वै यांऽऽ झ क (×) | झो री जि या (२) | थ र थ रा (०)

ध प म ग | सा रे ग नि | सा सा रे रे | म प प -
ऽ त प ग (३) | ड ग म गा (×) | ऽ त न ज (२) | र पि या ऽ (०)

प नि सां रें | सां सां सां नि | धप मप सां नि | ध प म ग
बि न ति क (३) | र त क र (×) | तऽ पैऽ यां प (२) | र त ग इ (०)

म रे ग रे
रे हा ऽ र (३)

तिलककामोद-त्रिताल.

स्थायी.

नि़ | सा रे -- रे | रे ग -- ग | म (प) प म | म ग रे ग
हंपि | या से ऽ स (२) | न्दे सा ऽ मो (०) | रा क हि यो (३) | जा ऽ ऽ ऽ (×)

- रे प (प) | म -- ग रे | ग नि़ - रे | नि़ सा -, नि़
ऽ य का ऽ (२) | गा ऽ रे ऽ (०) | ऽ जा ऽ रे (३) | जा रे ऽ, पि (×)

अंतरा.

रे प म म | ग रे म प | नि सां रें गं | नि सां सां सां
या ऽ दृ आ (०) | व त मो हे (३) | उ न की ब (×) | ति यां ऽ ऽ (२)

सां सां (प) ध | (म) गरे सा रे | नि़ सा -, नि़
क ल ना प (०) | र तऽ जि या (३) | जा रे ऽ, पि (×)

तिलककामोद-त्रिताल.

स्थायी.

ग रे प म | ग सारे - ग | सा - सा सा | (सा) - नि़ -
नी र भ र (०) | न कैऽ ऽ से (३) | जा ऽ ऊं स (×) | खी ऽ री ऽ (२)

प़ प़ नि़ सा | रे ग सा रे | म प ध म | गरे ग सा -
ड ग र च (०) | ल त मो से (३) | क र त रा (×) | ऽऽ र मैं ऽ (२)

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

अंतरा.

म म प प	नि नि सां सां	प प नि नि	सां सां प
ऐ सो चं च	ल च प ल	ह ट न ट	ख ट मा न
×	२	०	३
सां रें मं गं	सां रेंगं नि सां	प नि सां रें	सां नि ध प
त न का हू	की ग्राऽ ऽ त	बि न ति क	र त अ व
×	२	०	३
म प ध म	गरे ग सा –		
ग ई री हा	ऽऽ र मैं ऽ		
×	२		

राग—बिहाग—त्रिताल.

स्थायी.

प़ नि़ सा ग	– सा ग म	(प) मं ग (म)	ग सा – नि़
दे खो स खी	ऽ क न्है या	रो के ठा रो	है गे ऽ ल
×	२	०	३
सा म ग म	प प सां नि	पध मंप गम गरे	सा – नि़ –
प नि या म	र न कै से	जाऽ ऊंऽ मोऽ रेऽ	आ ऽ ली ऽ
×	२	०	३

अंतरा.

प – नि नि	सां – सां सां	प नि सां गं	रें सां नि नि
मैं ऽ ज मु	ना ऽ ज ल	भ र न जा	ऽ त र ही
×	२	०	३
प प नि सां	गं रें सां नि	(प) – ग म	गरे (सा) – नि़
बी ऽ च में	मि ल ग यो	ये ऽ नं द	कोऽ छे ऽ ल
×	२	०	३

राग—तिलंग—त्रिताल.

स्थायी.

सा ग	म प निप नि	सां रें (सां) निप	सां नि प गम	ग – सा ग
सां व	रि या ऽऽ तो	रे बा री ऽऽ	मैं ना ऽ जैहो	रे ऽ सां व
	२	०	३	×
	म प नि सां	रें नि (सां) –	निप सांनि प म	ग –, सा ग
	रि या ऽ तो	रे बा री ऽ	मऽ नाऽ जै हो	रे ऽ, सां व
	२	०	३	×

अंतरा.

ग म नि प	नि सां सां निसां	प नि सां (सां)	नि प म ग
इ स बा ऽ	री ऽ में ऽऽ	क्याऽ क्याऽ	बो ऽ या ऽ
०	३	×	२
सा – ग म	प निप नि सां	गंगं (सां) नि प	म ग म प
इ ऽ च्छ मो	हो ऽऽ ब्ब त	याऽ री सां व	रि या ऽ तो
०	३	×	२
नि सां नि प	निप सांनि प (प) म	ग –, सा ग	
ऽ वा री ऽ	मैंऽ नाऽ जैऽ हो	रे ऽ, सां व	
०	३	×	

तिलंग—त्रिताल.

स्थायी.

ग म	प नि प निसां	नि प ग म	ग – प म	ग सा नि़ सा
मैं तो	प नि या भऽ	र न न हि	जै ऽ हो आ	ऽ ज अ ब
	०	३	×	२
	ग म ग म	प प नि नि	प नि सां (सां)	नि प, ग म
	ठा डि हूं क	द र मो री	ग ई री ला	ऽ ज, मैं तो
	०	३	×	२

Dr Ashok Da Ranade Archives Pune

अंतरा.

ग म प नि॒	नि सां नि सां	प नि सां (सां)	नि॒ प (म) ग
क र जो ऽऽ	र त र हि	पै ऽ यां प	र त र हि
०	३	×	२
प नि सां गं	मं गं (सां) –	प नि॒ प म	ग सा, ग म
का हे को मा	न त है ऽ	उ सी को रा	ऽ ज, मैं तो
०	३	×	२

तिलंग—त्रिताल.

स्थायी.

ग म प नि	नि सां (सां) नि॒	प ग प म	ग – – सा
दे खी दे खी	का न्हा ऽ झू	टी तो ऽ री	बा ऽ ऽ त
२	०	३	×
नि॒ सा ग म	प प नि नि	प नि सां सां	नि॒ प ग म
रं ग ढं ग	छ ल ब ल	सि ख त जा	ऽ त दि न
२	०	३	×
प नि॒ – प	नि सां (सां) नि॒		
रा ऽ ऽ त	का न्हा ऽ झू		
२	०		

अंतरा.

ग म ग म	प प नि नि	सां – सां सां	नि सां सां सां
न ऽ न्द ला	ऽ ल तो री	प्री ऽ त नि	ठु र ए सी
२	०	३	×
सां गं मं गं	नी सां (सां) नि॒	प ग प म	ग – – सा
मो हे ना सु	हा वे ऽ झू	टि तो ऽ री	बा ऽ ऽ त
२	०	३	×

तिलंग—त्रिताल.

स्थायी.

सां – प सां	नि॒ प ग म	ग – म प	नि॒ प म ग
का ऽ न्ह मु	र ली बा ऽ	ले ऽ नं द	को ला ऽ ल
०	३	×	२
सा सा ग म	प प नि सां	गं गं नि सां	(सां) नि॒ म प
बा सु री ब	जा ई म न	ह र ली नो	ऽ जा ऽ त
०	३	×	२

अंतरा.

ग म प नि	नि सां सां –	प नि सां (सां)	नि॒ प म ग
टे ऽ र सु	ना ऽ वे ऽ	मो ऽ ह न	मु र ली ऽ
०	३	×	२
सा सा ग म	प – नि सां	मं गं नि सां	(सां) नि॒ म प
सु घ र पि	या ऽ की ऽ	अ र ज ले	ऽ मा ऽ न
०	३	×	२

तिलंग—त्रिताल.

स्थायी.

सा सा ग ग	म म प निप	नि (सां) नि॒ प	ग (म) ग –
पि या के आ	व न की ऽऽ	सु न त ख	ब रि या ऽ
०	३	×	२
नि – नि नि	सां (सां) नि॒ प	निसांरें निसां नि॒ प	ग (म) ग –
बा ऽ ट त	क त ह म	नेऽऽ ऽऽ क न	ज रि या ऽ
०	३	×	२

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

अंतरा.

ग म प नि | सां निसां सां सां | प नि सां — | सां गंगं (सां) —
क द र पि | या ऽऽ तु म | रे ऽ का ऽ | र नऽ सो ऽ
गं — मं गं | (सां) — नि प | ग म प नि | प (म) ग —
छा ऽ य र | ही ऽ जै सी | का ऽ री ब | द रि या ऽ

राग—झिंझोटी—पंजाबी.

स्थायी.

पप | नि— निनि सा (सा) निनि | सा— सासा रेसा निनि
इन | सांऽ वलि याऽ नेऽ | कोऽ नमं त्रप ढऽ
सा— रेरे रेग,रे रेग,रेगम(प) | म—गरे सासा सा(सा)निनि, पप
फूऽ कब जाऽ,द ईऽ,ऽऽऽऽ | बाऽऽऽ सुरि याऽऽऽ, इन

अंतरा.

सासा गग गग (म)ग | गम पप प(प) मगरे—
सुध बुध नर हत | घडी घडी पल छिनऽऽ
निसा,रे रेरे रेग रेग(प)— | म—गरे सा(सा) निसारेगरेसा निनि, पप
सुध,खा गर हीऽ भऽईऽ | बाऽऽऽ वरी याऽऽऽऽऽऽऽ, इन

राग—गारा—कहरवा.

स्थायी.

सा | नि सा | सा रे | सा नि | ध — | ध नि | सा रे | नि सा
ऽ तु | म से | ला गे | मो रे | नै ऽ | न अ | ना री | सै यां

अंतरा.

ध | ध नि | सा रे | नि सा | रे ग | म ग | रे ग | रे सा
ऽ ज | ब ल | ग त | त ब | ल ग | त न | जा ऽ | ने ऽ
ग | ग ग | रे ग | म प | मग म | रे ग | सा रे | नि सा
ऽ अ | ब ला | गे ऽ | दु ख | देऽ ऽ | न अ | ना री | सै यां

मिश्रमांड—कहरवा.

स्थायी.

— म | ग म | प ध | नि सां | नि— ध | प मं | प धप | म ग
ऽ बा | री उ | म र | ल र | कइ ऽ | यां न | छे डोऽ | सै यां

अंतरा.

— नि नि नि | सां सां सां सां | — नि नि सां | धनि सां— | निधप धप—
ऽ से ज च | ढ त मो री | ऽ पा य ल | बाऽ ऽऽ | ऽऽऽऽ जेऽ
— ग ग म | प ध नि सां | नि ध प मं | प धप | म ग
ऽ जा ग त | सा ऽ स जि | ठ नि यां न | छे डोऽ | सै यां

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

गारा—त्रिताल.

स्थायी.

सा नि़ | सा रे सानि़ सा | ध़ नि़ प़ ध़ | नि़ सा नि़ सा | — —, (सा) नि़
मो से | क र तऽ ब | र जो ऽ री | गि र धा री | ऽ ऽ, मो से

सा निसारे सानि़ सा | निध़ (नि़) धप़ ध़ | नि़ सा नि़ सा | सा —, सानि़ सा
क रऽऽ तऽ ब | रऽ जो ऽऽ री | गि र धा री | ऽ ऽ, ऐऽ सो

ग — ग म | गरे ग म प | मग म ग रे | (ग) रे, (सा) नि़
ढी ऽ ट ल | गऽ र कै सो | निऽ प ट अ | ना री, मो से

अंतरा.

ग म ध नि | सां सां सां सां | ध नि सां रें | गं मं रें सां
बि न ती क | र त क र | जो ऽ र क | र त हूं ऽ

सां नि ध प | मग म रे सा | ध़ नि़ सा रे | (ग) रे, सा नि़
स न द पि | या ऽ जा वो | तु म से हा | ऽ री, मो से

राग—धानी—त्रिताल.

स्थायी.

(ग) — ग सा | ग म प नि | प नि सां रें | सां नि प म
का ऽ न न | में ऽ ऽ ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ | तो री मु र

ग सा ग (म) | प नि प म | ग म ग रे | सा रे नि़ सा
ली ऽ की ऽ | धु, न सु न | भ न क प | डी ऽ मे रे

अंतरा.

म म प प | नि प नि — | सां — सां सां | रें नि सां —
म न उ ल | झे ऽ कै ऽ | सी ऽ सु ध | जा ऽ ऊं ऽ

मं — गं सां | (नि) प म प | (ग) — ग सा | गम पनि पनि सांरें
श्या ऽ म सुं | द र भे रे | का ऽ न न | मेंऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ

सांरें निसां पनि मप | ग — ग (म) | प नि प म | ग म ग रे
तोंऽ रीऽ मुऽ रऽ | ली ऽ की ऽ | धु न सु न | भ न क प

धानी—त्रिताल.

स्थायी.

ग म | नि प सां नि | प म ग ग | नि सा ग रे | (ग) सा नि सा
मो रि | क र प क | र त ग इ | बं ग रि मु | र क मु र

ग म प — | ग म निप | नि नि म प | नि सां गं रें
क स खी ऽ | ए सो धी ट | छ ल ब ल | ठा डो म ग

मं गं नि सां | नि प नि सां | नि नि प प | (ध) प, ग म
म ग मो से | ब र जो री | ए क हु न | मा ने, मो रि

अंतरा.

प – (प) ग	म म प नि	नि सां – सां	रें नि सां –
हूं ऽ तो नी	ऽ र भ र	न का ऽ ज	नि क सी ऽ
गं रें गं रें	नि सां नि प	ग म प म	ग रे – सा
त ट प न	घ ट प नि	या ऽ च ली	ऽ ज़ा ऽ त
सां गं रें मं	गं रें सां रें	नि सां सां सां	नि नि प –
ए सो ऽ छे	ऽ ल वा हू	से छु टि मैं	क र के ऽ
प नि प (ध)	– प, ग म		
ला ख न बा	ऽ त, मो रि		

धानी—त्रिताल.

स्थायी.

सां नि	सा – ग रे	(ग) सा ग म	प नि प ग	म म ग म
छ ति	या ऽ ध र	क त क र	ध र त का	ऽ न्ह थ र
	प नि सां गं	रें सां नि प	ग म प ग	म म, ग म
	थ र क र	प क र त	जा ऽ त प्रा	ऽ न, छ ति
	मगरेसा निसा गरे	(ग) सा ग म	प नि	
	याऽऽऽ ऽऽ ध र	क त क र	ध र	

अंतरा.

प –	म (प) ग म	प नि प नि	सां सां सां रें	नि सां नि नि
धी ऽ	ट लं ग र	मो से क र	त ब र जो	ऽ री प क
	प नि म प	ग म ग म	नि प (ग) सा	नि सा ग म
	र के क र	मो री बै यां	झ क झो री	न ज र पि
	प नि प नि	सां सां सां रें	नि सां नि सां	गं गं रें मं
	या ऽ जि या	नि क सो जा	ऽ त अ ब	बि न ती क
	गं रें सां –	नि (नि) – प	प ग म ग	मगरेसा, सां नि
	र त हूं ऽ	ये बा ऽ त	मा ऽ न मा	ऽऽ नऽ, छ ति

धानी—त्रिताल.

स्थायी.

नि (नि) प प	ध प ग म	प नि प पम	ग (ग)रे नि सा
कु ऽ ष्ण मु	रा री बि न	ति क र तऽ	क रऽ हा री
रे नि सा ग	म म प नि	प नि नि नि	प नि प नि
चु रि यां क	र की बं ग	रि मु र की	छ ति यां ध
सां सां सांरें गं	रें सां नि प	प रें सां रें	नि प प रें
र की लाऽ ऽ	ज न आ ई	नि ठु र क	न्हा इ ठि ठो
सां रें नि सां	प नि प म	– प ग –	रे नि सा सा
लि क र त	ड र त नां	ऽ हि मैं ऽ	तो हा ऽ री

अंतरा.

म ग म प | प नि प नि | सां सां सांरें गं | रें सां – सां
स ब हि न | र ना री दे | ख त लाऽ ऽ | ज आ ऽ त

नि सां गं मं | पं मं पं गं | मं गं रें सां | सां – सां नि
इ त उ त | का हे को मो | से क र त | आ ऽ त अ

प म नि प | ग ग रे सा | सां सां रें रें | – रें नि सां
व की जा ने | दे बा ऽ त | मि लों गी रा | ऽ त र हों

नि सां – सां | प नि प नि | – नि म ग | म प नि प
गी सा ऽ थ | सु नों गि बा | ऽ त घ र | कों जा ने दे

प नि प नि | सां सां निसांरें सां | रें नि सां नि | प ग – म
र ति यां आ | ने दे साऽऽ स | न नं द दें | गि गा ऽ री

धानी—त्रिताल.

स्थायी.

ग – (ग) सा | ग म प प | ग म नि प | ग रे नि सा
ए ऽ सा तो | मो रा सैं यां | नि प ट अ | ना रि भ ये

प नि सां रें | नि सां नि प | ग म नि प | ग रे नि सा
ह म को छां | ऽ ड सो ऽ | त न के बि | ल म र हे

अंतरा.

म म प प | नि – सां – | सां (गं) रें सां | नि सां सां –
तु म तो भ | ये ऽ सो ऽ | त न के सं | गा ऽ ती ऽ

प रें सां रें | नि सां नि प | (ग) म नि प | ग रे नि सा
मु झ दु खि | या की तो हे | ला ऽ ज श | र म र हे

धानी—त्रिताल.

स्थायी.

सा नि सा ग ग (ग) | – सा ग म | प ग – म | – म ग म
स खि मा नं त ना | ऽ हि लं ग | र वा ऽ धी | ऽ ट वो तो

प नि सां रें | सां नि नि प | (ग) – म प | म ग, सा नि
ब र जो रि | क र त मैं | क्या ऽ रे क | रुं ऽ, स खि

अंतरा.

प म (प) ग | म म प नि | नि सां – रें | नि सां प म
हूं ऽ तो नी | ऽ र भ र | न जा ऽ त | थी ऽ ज मु

प ग, म म | ग म प नि | सां गं रें सां | नि प ग म
ना ती ऽ र | वो तो प क | र गै ऽ ल | मैं ऽ झ ट

प ग – सा | ग म प – | ग – म प | म ग, सा नि
क ची ऽ र | अ ब मैं ऽ | क्या ऽ रे क | रुं ऽ, स खि

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

राग—जंगला—त्रिताल.

स्थायी.

सा ग़ रे ग़ | निसा निसारे (नि) प | ध सा रे (ग) | रे – – रे
ए सी ब र | जोऽ ऽऽऽ री ऽ | की नी बृ ज | का ऽ ऽ न्ह
ग ग म म | ग़ रे ग़सा सा | रे म मपधनि धप | ग़ – रे रे
क र प क | र त ऽऽ जा | ऽ त मोऽऽऽ रेऽ | प्रा ऽ ऽ न

अंतरा.

निसा रे म प | प प नि प | म प नि ध | म ग़ रे –
चंऽ च ल च | प ल ए सो | न ट ख ट | क र के ऽ
नि नि सा सा | रे ग़ रे सा | ग म रेम पध | प म ग़ रे
न ज र पि | या ऽ मां गे | जो ब नाऽ ऽऽ | को दा ऽ न

जंगला—त्रिताल.

स्थायी.

नि प | ध – सा – | रे – ग म | ग़ रे (ग) – | रे – ग़ रे
अ ब | कैं ऽ से ऽ | धी ऽ र ध | रुं ऽ ऽ ऽ | मैं ऽ य ह
ग़ रे ग़ रे | सा नि सा सा | सा ग़ रे सा | नि ध, प प
जि य रा ऽ | पि या बि न | नि क सो जा | ऽ त, अ ब

अंतरा.

सा सा सा रे | म प नि ध | प म ग़ ग़ | रे रे नि नि
च तु र सु | घ र सु ऽ | न्द र त न | क ब इ न
सा – ग़ रे | सा – नि सा | सा ग़ रे सा | नि ध, प प
नैं ऽ न न | के ऽ प थ | स ज नि आ | व त, अ ब

जंगला—पंजाबी.

स्थायी.

सानि सारे निधनि, धध | सा – – निसा | निध नि रे – | (ग) रे ग़ग़रेरे मगग़रेग़
धूंऽ गर वाऽऽ ,लेऽ | बा ऽ ऽ ऽल | तेऽ हा रे ऽ | जा नी ऽऽऽऽ ऽऽऽऽऽ

अंतरा.

सासा निसा रेग़ रे– | ग़– रेग़ सारे निसा | निसा रेम पनि धप | मग रेग़ सारे निसा
अत भोऽ राऽ सेऽ | काऽ रेऽ काऽ रेऽ | नट नाऽ गन सीऽ | चाऽ लते हारि जानी
सारे निसा धनि –पध | सा – – निसा
धूंऽ गर वाऽ ऽलेऽ | बा ऽ ऽ ऽल

जंगला—पंजाबी.

स्थायी.

सा नि सा निसा | धनि सानि धनि धप | सा – निसा सा | निध निध धनि रे
मु र ली ऽऽ | वाऽ ऽऽ ऽऽ लेऽ | श्या ऽ ऽऽ म | मोऽ हेऽ मःऽ ऽ

Dr Ashok Da Ranade Archives

रे रे ग रे | ग सा सारे पम | ग रे गुरे सा | सा रे सारे ग
र ग ने ऽ | ऽ क ऽऽ वऽ | ता ऽ ऽऽ वो | रे ऽ ऽऽ ऽ

सा रे नि सा
मु र ली ऽ

अंतरा.

सा सा नि सा | रे (ग) रे – | प प म निप | ग (ग) रे –
सं ग न हि | से हे ली ऽ | र हि ऽ ऽअ | के ऽ ली ऽ

सा सा ग म | म गम गम पध | प ग (ग) रे | धनि रे सारे ग
कि त न हि | सू ऽऽ झऽ ऽऽ | त गां ऽ व | रेऽ ऽ ऽऽ ऽ

राग—पीलू—पंजाबी.

स्थायी.

सा ग गसा गमपध प | ग – म प | ग – नि नि | सा – सा ग
ल गे रीऽ नैऽऽऽ ना | बा ऽ न ल | गे ऽ नै ना | बा ऽ न ल

ग (ग)मा गमपध प | गम गमपप (प) ग | – सा नि नि | सा – सा
गे रीऽऽ नैऽऽऽ ना | बाऽ ऽऽऽन ल गे | ऽ ऽ नै ना | बा ऽ न

अंतरा.

सा सा ग म | प – धु प | ग म गमपधु प | (ग) – नि सा
ज ब ला ऽ | गे ऽ त ब | ला ऽ गऽऽऽ त | ना ऽ हीं ऽ

प प प – | पधनि धनि ध प | म प मग रेग | साग मगरेग गम प
अ ब ला ऽ | गेऽऽ ऽऽ दु ख | दे ऽ नऽ ऽऽ | लगे रीऽऽऽ नैऽ ना

गम गमपध प ग | – सा नि नि | सा – सा ||
बाऽ नऽऽऽ ल गे | ऽ ऽ नै ना | बा ऽ न ||

पीलू—पंजाबी.

स्थायी.

सा | ग मगरेग म पग | ग ग म रेग | प (ग) रे सानि | सा – सा, सा
ब | ल मऽऽऽ बि नऽ | क स के ऽऽ | क ल ज वाऽ | मो ऽ र, ब

ग गसा गपम प | ग ग म रेग | प (ग) रे सानि | सा – सा, सा
ल मऽ बिऽऽ न | क स के ऽऽ | क ल ज वाऽ | मो ऽ र, ब

अंतरा.

नि सा ग म | प धु प – | –ग –ग –म नि | प (ग) – सासा
र हि र हि | चौ ऽ क ऽ | ऽप ऽर ऽत ती | जि या ऽ पर

प –प –प प | धप पधनि ध प | मग रेग सा, सा
ठा –डी ऽत क | तऽ ऽऽऽ च हुं | ओऽ ऽऽ र, ब

राग—भैरवी—दादरा.

स्थायी.

प प —	प — —	ध प म	ग रे ग	म — —	म — —
ब हू ऽ	ते ऽ ऽ	रा ऽ ऽ	स ऽ म	झा ऽ ऽ	या ऽ ऽ
मप मप धनि	ध प म	ग रे ग	सा रे नि	सा — —	सा — —
रीऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽ	ला ऽ ऽ	ख ऽ न	बा ऽ ऽ	र ऽ ऽ

अंतरा.

ध — म	ध — नि	सां — —	सां — —	नि — —	सां — सां
कृ ऽ ऽ	ष्ण ऽ मु	रा ऽ ऽ	री ऽ ऽ	मा ऽ ऽ	न ऽ त
रेंरें सांनि सांसां	ध प —	प प —	प — प	ध प म	ग रे ग
नाऽ ऽऽ ऽहीं	रे ऽ ऽ	स म ऽ	झ ऽ स	म झ ऽ	प ऽ छ
म — —	म — —	मप मप धनि	ध प म	ग रे ग	सा रे नि
ता ऽ ऽ	या ऽ ऽ	रीऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽ	ला ऽ ऽ	ख ऽ न
सा — —	सा — —				
बा ऽ ऽ	र ऽ ऽ				

भैरवी—दादरा.

स्थायी.

सा	प — प	प प —	ध प ध	प म —	ग म ग	गम प म
ब	ना ऽ वो	ब ती ऽ	यां ऽ ऽ	च लो ऽ	का ऽ ऽ	हेऽ ऽ को
	रे — —	सा —, पध	सां — नि	सां — रें	सांनि सां नि	ध प —
	झू ऽ ऽ	टी ऽ, वहीं	जा ऽ ऽ	वो ऽ ज	हांऽ ऽ ऽ	र हे ऽ
	प प प	प — —	ध प ध	प म —	ग म ग	गम प म
	तु म र	ती ऽ ऽ	यां ऽ ऽ	च लो ऽ	का ऽ ऽ	हेऽ ऽ को

अंतरा.

ग — म	ध — नि	सां — सां	सां सां —	नि — नि	सां — सां
सों ऽ ऽ	त ऽ न	के ऽ ऽ	घ र ऽ	आ ऽ ऽ	व त ऽ
रेंरें सांनि सांनि	ध प —	गं रें —	गं रें गं	सां गं रें	सां — —
जाऽ ऽऽ ऽऽ	व त ऽ	ह म ऽ	रा ऽ ऽ	जी ऽ य	रा ऽ ऽ
ध प —	पध निसां रेंगं	सांनि ध —	प म —	ग म ग	गम प म
ज ला ऽ	केऽ ऽऽ ऽऽ	पिऽ या ऽ	च लो ऽ	का ऽ ऽ	हेऽ ऽ को
रे — —	सा —, सा				
झू ऽ ऽ	टी ऽ, ब				

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

भैरवी—दादरा.

स्थायी.

प – प | प प ध | (नि) – धप | ग – ग | सा – सा | रे ग म
छां ऽ ड | दे ग ल | बां ऽ यींऽ | शा ऽ म | भो ऽ र | भ यो ऽ

ग – सा | रे सा –
अं ऽ ग | न वा ऽ

अंतरा.

ध – म | ध – नि | सां – सां | सां – सां | नि – सां | सां सां सां
दी ऽ प | ते ऽ ज | मं ऽ द | हो ऽ त | ता ऽ र | न का ऽ

सां सां गंगं | रेंसां निध प | प प प | प प ध | (नि) – धप | पम ग –
चां द नाऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ | प न घ | ट प न | हा ऽ रींऽ | चऽ ली ऽ

सा सा सा | सा रे म | ग ग गग | रेसा निसा –
ह म हूं | जा ऽ त | ज मु नाऽ | ऽऽ ऽऽ ऽ

होली—खमाज—दीपचंदी.

स्थायी.

म ग ग | प – प ध | ग प – | म गरे ग सा
चा ग र | सा ऽ री ऽ | डा ऽ ऽ | र ऽऽ ऽ ग

गग रे रे | ग – म – | प प – | प – – –
योऽ ऽ ऽ | मो ऽ पे ऽ | रं ग – | की ऽ ऽ ऽ

ग – म | नि – प – | ग – रे | सा – – नि
ऽ ऽ ऽ | कै ऽ सा ऽ | धो ऽ ऽ | का ऽ ऽ दि

सा – – | – – सा सा | रे – – | म – – म
या ऽ ऽ | ऽ ऽ मैं तो | भू ऽ ऽ | ली ऽ ऽ सि

प – – | ध – ध – | धनि सांनि धप | ध प – –
दे ऽ ऽ | ख ऽ न ऽ | लाऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ गी ऽ ऽ

अंतरा.

म म – | प – ध – | नि – – | सां – – –
बि ना ऽ | रं ऽ ग ऽ | डा ऽ ऽ | रे ऽ ऽ ऽ

नि – ऽ | सां – सां – | (सां) – – | नि – ध ध
जा ऽ ऽ | ने ऽ न ऽ | ढूं ऽ ऽ | गी ऽ ऽ ऽ

नि – – | सां – – नि | सां – – | – – नि ध
जा ऽ ऽ | त ऽ ऽ क | हां ऽ ऽ | ऽ ऽ ज रा

धनि सांनि धप | ध प – –
ठेऽ ऽऽ ऽऽ | ऽ रो ऽ ऽ

होली-खमाज-दीपचंदी.

स्थायी.

×			२				०			३			
सा	–	–	ग	–	–	ग	ग	म	–	प	–	ध	–
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	खे	ल	त	ऽ	मो	ऽ	से	ऽ
नि	नि	–	सां	–	–	सां	सां	(सां)	–	नि॒	–	ध	–
न	ही	ऽ	रे	ऽ	ऽ	न	ही	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
नि	–	–	नि	–	सां	–	सां	(सां)	–	नि॒	ध	प	–
का	ऽ	ऽ	भ	ऽ	यों	ऽ	न	न	ऽ	दी	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ग	म	प	–	–	प	पध	नि॒ध	–	^प^म	–	ग	–
अ	नों	ऽ	खे	ऽ	ऽ	पि	याऽ	ऽऽ	ऽ	सं	ऽ	ग	ऽ

अंतरा.

×			२				०			३			
ग	ग	म	नि॒	–	ध	नि	सां	सां	–	सां	–	सां	–
व	र	ऽ	जो	ऽ	ऽ	री	क	र	ऽ	मो	ऽ	री	ऽ
नि	–	–	सां	–	–	सां	सां	(सां)	–	नि॒	–	ध	–
बैं	ऽ	ऽ	यां	ऽ	ऽ	म	रो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	–	ग	–	ग	–	ग	म	–	प	–	ध	–
आ	ऽ	ऽ	ज	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ज	ऽ	मो	ऽ	री	ऽ

×			२				०			३			
नि	नि	–	सां	–	–	सां	सां	(सां)	–	नि॒	–	^प^ध	–
ग	ई	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ग	ई	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
नि	–	–	नि	–	सां	–	सां	(सां)	–	नि॒	ध	प	–
का	ऽ	ऽ	भ	ऽ	यों	ऽ	न	न	ऽ	दी	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ग	म	प	–	–	प	पध	नि॒ध	–	^प^म	–	ग	–
अ	नों	ऽ	खे	ऽ	ऽ	वि	याऽ	ऽऽ	ऽ	सं	ऽ	ग	ऽ

होली–दीपचंदी.

स्थायी.

	०			३				×			२			
प	(प)	–	–	ग	म	रे	ग	प	–	–	–	म	ग	म
क	न्हैं	ऽ	ऽ	या	ऽ	ने	ऽ	घे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ल
	ग	–	रेसा	–	–	रे	ग	सा	नि॒	–	सा	–	–	–
	ई	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	कुं	ऽ	ज	न	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ
	सा	सा	–	सारे	सानि॒	धनि॒	सा	रे	–	–	–	–	–	–
	सं	ग	ऽ	कीऽ	ऽऽ	ऽऽ	स	खी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
	रे	ग	–	म	–	प	–	ग	म	–	ग	–	रेसा,	प
	न	हीं	ऽ	को	ऽ	ई	ऽ	सं	ग	ऽ	में	ऽ	ऽऽ,	क

अंतरा.

×	२	०	३
प़ – –	नि़ – नि़ –	सा – सा	सारे सानि़ धनि़ –
मैं ऽ ऽ	द ऽ ध्र ऽ	बे ऽ च	नऽ ऽऽ ऽऽ ऽ

×	२	०	३
प़ – –	नि़ – नि़ –	सा – सा	गम पप मग रेग
जा ऽ ऽ	त ऽ वि ऽ	न्द्रा ऽ ब	नऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ

×	२	०	३
गम पध –	ग – म –	ग – रेसा	– – रे ग
बीऽ ऽऽ ऽ	च ऽ में ऽ	गे ऽ ऽऽ	ऽ ऽ क दि

×	२	०	३
ग – रे	(नि़) सा – रे –	सा – –	– – – –
यो ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

×	२	०	३
गग (सा) रेरे –	म – म –	प प –	प – – –
चूऽ ऽऽ ऽ	न ऽ र ऽ	झ ट –	की ऽ ऽ ऽ

×	२	०	३
म – –	– – प प	प मप ध	मगरे सारेग सा –
घा ऽ ऽ	ऽ ऽ ग र	प टऽ ऽ	कीऽऽ ऽऽऽ ऽ ऽ

×	२	०	३
ग – –	म – ग –	ग म –	प – ध –
का ऽ ऽ	क ऽ रुं ऽ	को ई ऽ	न ऽ हीं ऽ

×	२	०	३	×
ग म –	ग – रेसा, म	(प) – –	ग म गम नि	(प)
सं ग ऽ	में ऽ ऽऽ, क	न्हे ऽ ऽ	या ऽ नेऽ ऽ	बे

होली-काफी-दीपचंदी.

स्थायी.

२	०	३	×
(म)ग – रे –	(म)ग – –	म – प म	प – प
ए ऽ सी ऽ	हो ऽ ऽ	रीं ऽ ऽ खि	ला ऽ ई

२	०	३	×
प – – –	प – प	प ध म –	ग म –
ऽ ऽ ऽ ऽ	श्या ऽ म	मैं ऽ को ऽ	चो ऽ ऽ

२	०	३	×
पध निसां – धप	(म)ग – –	म – – –	रेम (नि)पध प
रीऽ ऽऽ ऽ लऽ	गा ऽ ऽ	ई ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ

अंतरा.

×	२	०	३
म – –	– – प ध	(सां)नि – –	सां – – –
खे ऽ ऽ	ऽ ऽ ल त	गें ऽ ऽ	दु ऽ ऽ ऽ

×	२	०	३
नि नि –	सां – नि –	सां – –	धनि सांनि धनि –
गि री ऽ	ज ऽ मु ऽ	ना ऽ ऽ	मेंऽ ऽऽ ऽऽ ऽ

×	२	०	३
(ध)नि – ध	प – प –	पध निध पम	– – प ध
कि ऽ न्ने	मे ऽ री ऽ	गेंऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ ऽ द चु

×	२	०	३
(सां)नि – –	– – – –	सां – –	– – – –
रा ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ई ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

Dr Ashok Da Ranade Archives, Pune

म	–	–	ग	म	–	–	म	–	–	–	–	प	ध
हा	ऽ	ऽ	थ	डा	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अं	गि
×			२				०			३			
								नि		म		सा	
धनि	सांसां	निध	नि	ध	–	प	मप	धप	–	ग	–	रे	ऽ
याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	बी	ऽ	च	देऽ	ऽऽ	ऽ	खा	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
नि	ऽ	ऽ	सां	–	–	नि	सां	–	–	नि	–	ध	–
ए	ऽ	ऽ	क	ऽ	ऽ	ग	ई	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
धनि	सांनि	धप	ध	प	–	–	प	–	प	प	ध	म	–
याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	शा	ऽ	म	मैं	ऽ	को	ऽ
×			२				०			३			

होली-सिंधुराकाफी-दीपचन्दी.

स्थायी.

म			सा					नि					
ग	–	–	रे	–	सा	–	रे	सा	–	रे	म	प	ध
को	ऽ	ऽ	न	ऽ	त	ऽ	न्हा	ऽ	ऽ	से	ऽ	तु	म
×			२				०			३			
												म	
(सां)	–	नि	ध	नि	ध	प	म	प	–	मपध	मप	गरे	–
खे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल	त	हो	ऽ	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽ	रीऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां													
नि	–	–	सां	–	–	रें	(नि)	–	–	ध	नि	ध	प
दे	ऽ	ऽ	खो	ऽ	ऽ	ल	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	री
×			२				०			३			
										म			
रे	म	–	रेम	पध	नि	धप	म	(प)	–	ग	रे	म	–
अ	खा	ऽ	यांऽ	ऽऽ	ऽ	नऽ	ख	ट	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

अंतरा.

म	–	–	प	–	ध	–	सां	ध	–	सां	–	–	–
गा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ढूं	ऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां										सां			
ध	सां	–	धसां	रेंगं	रेंगं	रेंसां	रेंरें	सांनि	सां	ध	सां	नि	ध
तो	से	ऽ	नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ढऽ	रूंऽ	ऽऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां										प		म	
नि	नि	–	पानि	सांरें	निसां	रें	(नि)	–	–	ध	–	प	–
अं	ब	ऽ	तोऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	फा	ऽ	ऽ	ग	ऽ	में	ऽ
×			२				०			३			
म	प									म			
रे	म	म	रेम	पध	नि	धानि	धप	मप	धप	ग	रे	म	(म)
चु	न	रि	याऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	झऽ	टऽ	ऽऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			

होली-पीलू-दीपचन्दी.

स्थायी.

				नि										
ग	(ग)	–	रे	सा	–	नि	–	सा	–	–	ग	–	–	सा
का	हे	ऽ	ऽ	सै	ऽ	यां	ऽ	हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
	०			३				×			२			
	म					म		म						
	ग	म	–	प	ध	प	–	ग	ग	–	सा	–	–	–, ग
	र	ज	ऽ	र	ऽ	ही	ऽ	तु	म	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ, का
	०			३				×			२			

अंतरा.

×			२				०			३			
नि़	सा	–	ग	–	–	म	प	–	–	–	–	–	प
उ	ड	ऽ	त	ऽ	ऽ	गु	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
ग	ग	–	म	–	म	–	गम	प	^म ग	^रे सा	–	सा	–
ला	ल	ऽ	भ	ऽ	ये	ऽ	बाऽ	ऽ	ऽ	दू	ऽ	ल	ऽ
प	प	–	प	–	–	–	पध	नि	–	ध	–	प	–
पि	च	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
म	ग	–	म	–	ग॒	रे	ग	म	–	प	ध॒	^म प	–
स	र	ऽ	ज	ऽ	ऽ	ल	र	ज	ऽ	र	ऽ	ही	ऽ
ग॒	ग॒	–	सा	–	–,	ग॒							
तु	म	ऽ	से	ऽ	ऽ,	का							

समाप्त